

## असाधार्का Extraordinary

अस्य भा- काळ क्षान्य र (i) PART II—Section 3 --Sub-section (i) श्रांत्रकार से अक्षाश्चित PUBLISHED BY AUTTORYTY

सं. 308] नई दिल्ली, मेगलबार, जुलाई 24, 1990/श्रावण 2, 1912 No. 303] NEW DELTH, TUESD, Y, JULY 24, 1990/SRAYANA 2, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हो जिसका कि यह अक्षा संकल्पन के रूप में रखा जा सके

Separato Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## स्वास्थ्य आर परिवार करवाण मंत्रालय

Time (T

मही दिल्ला, 21 ज्याहर, 1999

सा.का.मि. 658(अ) :--भागत के राजपद्ध (अवादारा) भाग H खड 3, उपद्धंड (i) दिनाक 8/3/90 के पूछ 1-6 पर प्रकाशित भागत नरकार के स्वात्थ्य श्रोट पांद्वार भववाय मंद्राक्य की 8 मार्च, 1990 की अधिमूचना ना.का.सि. 128(अ) में --

(1) দুতে 1 पर उद्देशिका की सीसरी परित म 'आवि भ्रयमिन्नण श्रविनयस' क स्थान पर ''ऋ।य' অবশিक्षण विवारण श्रविनयस' पढे.

(2) पप्ट 2 पर

- (i) तीसरी पात्रत से "यत्र" के स्थान पर "प व प" पहुँ,
- (ii) पद्रह्वी पंतिन में "एलामेटिक" के स्थान पर "ऐरोमेटिक" पड़े;
- (iii) इक्कीमकी पश्चिम में "पश्चिम प्राहीगा" के स्थान पर "प्रनृष्य भी होगा" पढ़े।

na an a<u>n am</u> taman a an a<u>ma mana an</u> an ana an an an an an an an

 $[H=V_T,-15043/3/86 eff, एवं (एक, एड एन )]$  बलेश्रीर सिंह, संयुक्त समिश्र